नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 120
दि. 29.08.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़कर पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर'; गोरखपुर में बोले सीएम योगी

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान, रिसर्च और टेक्नोलॉजी से जोड़कर नई संभावनाओं के द्वार खोले जा सकते हैं। आयुर्वेद को आधुनिक डायग्नोस्टिक व क्लीनिकल रिसर्च, मेडिसिनल प्लांट को आधुनिक कृषि और बायोटेक्नोलाजी और योग को प्रिवेंटिव हेल्थकेयर से जोड़ने की आवश्यकता है।

इससे पारंपरिक ज्ञान को वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक पहचान मिलने के साथ नई अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसे सक्षम युवा तैयार करना है जो अपने ज्ञान और कौशल से अवसर पैदा कर सकें। विद्यार्थियों को केवल जाबब रेडी नहीं, बल्कि फ्यूचर रेडी होना होगा। उन्हें इनोवेटर, इंटरप्रेन्योर और प्राब्लम साल्वर बनने की क्षमता विकसित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भविष्य की बड़ी समस्याओं का समाधान किसी एक विषय की सीमा में नहीं, बल्कि अलग-अलग ज्ञान विधाओं के संगम से निकलेगा। मेडिकल, नर्सिंग, फामेर्सी, कृषि और अन्य विधाओं को अलग-अलग स्ट्रीम के बजाय एकीकृत ज्ञान एवं इनोवेशन इकोसिस्टम के रूप में विकसित करने की जरूरत है।

'स्मार्टफोन से बनाएं दूरी, अच्छी किताबें पढ़ें', सीएम योगी ने स्कूली छात्राओं को दिया सफलता का मंत्र

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बेटियों को मंच मिला तो उनकी भावनाएं शब्दों में उतर आईं। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के सामने बेटियां आत्मिक भाव से अपने हृदय के उद्गार व्यक्त करती रहीं, जिसे मुख्यमंत्री ने भी मुस्कुराते हुए बड़े ही उत्साह से सुना। उन्होंने बेटियों से संवाद किया, उन्हें सफल जीवन का 'आशीष' दिया और हर कदम पर सरकार के साथ होने का विश्वास भी दिलाया।

रक्षाबंधन पर स्कूली छात्राओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तिलक लगाकर राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने बच्चियों को उपहार स्वरूप चॉकलेट और ओडीओपी बैग भेंट किए। एक छात्रा के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने उसकी पॉकेट डायरी पर

संदेश भी लिखा। छात्राओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां जो दृश्य देखने को मिला है, यही उत्तर प्रदेश में आए परिवर्तन को दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले बेटियां इस तरह सुरक्षित और उन्मुक्त वातावरण में मुख्यमंत्री से न तो मिल सकती थीं और न ही सीधे संवाद कर सकती थीं। आज बड़ी संख्या में बेटियां मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर बिना किसी भय के सवाल और बातचीत कर अनुभव साझा कर रही हैं। आज न असुरक्षा का भय है और न ही किसी प्रोटोकॉल का डर है।

2017 से पहले स्कूल भेजने में अभिभावकों को होती थी चिंता

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले बड़ा संकट यह था कि बेटियां स्कूल तक नहीं जा पाती थीं।

स्वाइन फ्लू को लेकर यूपी सरकार अलर्ट, सीएम योगी बोले- लक्षण दिखें तो तुरंत कराएं जांच

स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा है. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं. साथ ही लोगों से लक्षणों को नजरअंदाज न करने और समय पर जांच कराने की अपील की गई है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में स्वाइन फ्लू को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को बीमारी की स्थिति पर लगातार नजर रखने को कहा है. सीएम ने लोगों से भी अपील की है कि स्वाइन फ्लू के लक्षणों को हल्के में न लें. कोई लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें.

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को स्वाइन फ्लू की स्थिति की लगातार निगरानी करने को कहा है. अधिकारियों को जिलों में बीमारी से जुड़े मामलों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं. जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को भी सतर्क रहने को कहा गया है. उन्हें अपने-अपने जिलों में स्थिति की प्रभावी

मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं.

सरकार का जोर समय पर बीमारी की पहचान और इलाज पर है. अधिकारियों को कहा गया है कि स्वाइन फ्लू के संदिग्ध मामलों की जानकारी पर तुरंत कार्रवाई की जाए. स्वास्थ्य विभाग को भी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं.

सीएम योगी ने अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है. अस्पतालों में जरूरी दवाएं और इलाज से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं. जरूरत के समय मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पहले से तैयारी रखने को कहा गया है. अधिकारियों को अस्पतालों की व्यवस्थाओं की भी लगातार समीक्षा करने को कहा गया है. स्वास्थ्य विभाग को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं. जिलों में निगरानी व्यवस्था को भी मजबूत करने पर जोर दिया गया है.

लक्षणों को नजरअंदाज न करने की अपील

मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वाइन फ्लू के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की है. उन्होंने कहा है कि बीमारी के लक्षण दिखने पर समय रहते जांच कराना जरूरी है. शुरूआती स्तर पर बीमारी की पहचान होने से इलाज में मदद मिल सकती है.

स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है. खासकर बीमारी के लक्षण दिखने पर खुद से इलाज करने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लेने पर जोर दिया जा रहा है.

महंगाई का एक और बड़ा झटका, दिल्ली में सीएनजी के दाम करीब 4 रुपये बढ़े

नई दिल्ली: वेस्ट एशिया में जारी संकट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की कीमतों में आए तेज उछाल का असर अब घरेलू बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। इंद्रप्रस्थ गैस

लिमिटेड ने दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है।

आज सुबह से लागू होंगी नई कीमतें आईजीएल द्वारा बढ़ाई गईं सीएनजी की ये नई दरें 29 अगस्त 2026 को सुबह 6 बजे से प्रभावी हो जाएंगी।

एनटीए में बड़ा फेरबदल, पेपर लीक विवाद के बाद बदली पूरी कमान, 13 सितंबर तक मांगे गए जन-सुझाव

(जीएनएस)।

NEET-UG समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर उठे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) की टीम में बड़ा बदलाव किया है। परीक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है। इनमें भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के अधिकारी अंशुमान शर्मा को NTA का नया ज्वाइंट सेक्रेटरी बनाया गया है। उनके अलावा एजेंसी में दो डायरेक्टर और एक ज्वाइंट डायरेक्टर की नियुक्ति की गई है।

कार्मिक मंत्रालय ने नए अधिकारियों को तीन सप्ताह के अंदर अपनी नई जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है। अफसरों की नई टीम के साथ सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए आम लोगों से भी सीधे सुझाव मांगने का फैसला किया है। छात्र, अभिभावक, शिक्षक और आम

नागरिक 13 सितंबर 2026 तक अपनी राय भेज सकते हैं।

NTA में चार अफसरों को मिली नई जिम्मेदारी

सरकार ने NTA की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अलग-अलग सिविल सेवाओं के अनुभवी अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है। क्क्र अधिकारी अंशुमान शर्मा को ठळअ का ज्वाइंट सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पांच साल या अगले आदेश तक के लिए बताई गई है। हालांकि, शुरूआती आदेश के तहत वह दो साल तक NTA में काम करेंगे। इसके साथ ही IPS अधिकारी रवि कुमार सिंह और क्क्र अधिकारी प्रसन्ना वेंकटेश वी को ठळअ में डायरेक्टर बनाया गया है। वहीं 2016 बैच के IRS अधिकारी अमित समदरिया को ज्वाइंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है।

परीक्षा केंद्रों पर बढ़ेगी निगरानी

नई टीम की जिम्मेदारी सिर्फ प्रशासनिक काम तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार का फोकस देशभर में परीक्षा केंद्रों की निगरानी और परीक्षा संचालन की व्यवस्था को ज्यादा मजबूत बनाने पर है।

भाजपा देश के सामने सबसे बड़ा संकट, नफरत ही इसका एकमात्र एजेंडा, जेपीएनआईसी को भी "बेच" दिया : अखिलेश यादव

(जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देश के सामने "सबसे बड़ा संकट" करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के पास नफरत फैलाने के अलावा कोई एजेंडा नहीं है।

रक्षाबंधन के अवसर पर अपने पैतृक गांव सैफई पहुंचे अखिलेश ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "देश में केवल एक ही संकट है और वह भाजपा है। भाजपा खुद सबसे बड़ा संकट है। भाजपा जाएगी तो संकट भी चला जाएगा।" उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास "नफरत फैलाने" के अलावा कोई काम नहीं है और उन्होंने समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की विरासत को "बेचने" का आरोप भी लगाया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के गठन के समय पार्टी ने खुद को समाजवादी पार्टी के रूप में पेश करने की कोशिश में जयप्रकाश नारायण की तस्वीर लगाई थी, लेकिन अब उसने जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (जेपीएनआईसी) को "बेच" दिया है। सपा प्रमुख ने कटाक्ष करते हुए कहा, "भाजपा को कोई खरीदने के लिए भी तैयार नहीं है, वरना भाजपा खुद को बेच देती।" महंगाई के मुद्दे पर अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए आवश्यक वस्तुओं और ईंधन की कीमतें बढ़ने दे रही है। उन्होंने कहा, "चीनी की बात करें तो चीनी महंगी हो गई है। सरकार पेट्रोल में एथेनॉल मिला रही है। मिलावट को लेकर कानून है और कानूनी तौर पर आप मिलावट नहीं कर सकते। लेकिन एक सोची-समझी रणनीति के तहत कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने और चुनावी चंदा हासिल करने के लिए सरकार ने उद्योगपतियों को मुनाफा कमाने की खुली छूट दे दी है।" अखिलेश ने दावा किया कि कंपनियों

को मुनाफा कमाने में सक्षम बनाने के लिए चीनी, डीजल और पेट्रोल ऊंची कीमतों पर बेचे जा रहे हैं और सरकार की नीतियों के कारण महंगाई बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दवाइयां ऊंची कीमतों पर बेची जा रही हैं, एम्बुलेंस ठीक से काम नहीं कर रही हैं और पुलिसकर्मी लोगों से पैसे मांग रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया गया और सवाल किया कि सरकार को इसके लिए जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि भारत के आजाद होने के बावजूद मीडिया पर पाबंदियां बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा, "देश आजाद होने के बाद अंग्रेज भारत छोड़कर चले गए, लेकिन हम अभी भी आजाद नहीं हुए हैं। आज भी कई तरह की पाबंदियां हैं। आप स्कूलों की तस्वीरें नहीं दिखा सकते, स्कूलों की खराब हालत नहीं दिखा सकते। जो पत्रकार स्कूल की खराब हालत दिखाएगा, उसे जेल भेज दिया जाएगा।" उन्होंने भाजपा पर जानबूझकर शिक्षा को बढ़ावा नहीं देने का आरोप लगाया और कहा कि शिक्षित लोग सवाल पूछेंगे तथा सरकार के साथ बहस करेंगे। अखिलेश ने कहा, "भाजपा को सवालों से सबसे ज्यादा डर लगता है। जो सवालों से डरता है, वह लोकतंत्र को दबाएगा और बाबासाहेब आंबेडकर के सिद्धांतों को कमजोर करेगा।"

उन्होंने किसानों के मुद्दे पर आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने समय पर खाद और बीज उपलब्ध नहीं कराकर तथा कृषि उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित नहीं करके संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने सवाल किया, "पहले हम सुनते थे कि बोरी से खाद चोरी हो जाती थी, लेकिन आज पूरी बोरी ही चोरी हो रही है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है?" उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को अक्सर जरूरत के समय खाद और बीज नहीं मिलते और उनकी फसलों का पर्याप्त मूल्य भी नहीं मिलता।

बी नागेंद्र : दूसरी बार क्यों छोड़ा कर्नाटक मंत्रिमंडल? फूट-फूटकर रोए, बोले- मुझे टारगेट किया गया

(जीएनएस)।

कर्नाटक के मंत्री बी नागेंद्र ने शुक्रवार (28 अगस्त) को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से जुड़े कथित 89 करोड़ रुपये के घोटाले में नाम आने के बाद विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा था।

खास बात यह है कि इसी मामले को लेकर नागेंद्र इससे पहले भी जून 2024 में मंत्री पद छोड़ चुके हैं। अगस्त 2026 में दोबारा मंत्री बनने के महज 25 दिन बाद उन्होंने फिर इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे का ऐलान करते समय नागेंद्र भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि दलित होने के कारण उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। आइए विस्तार से जानते हैं...

बी नागेंद्र का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब वाल्मीकि निगम से जुड़े मामले में उनके खिलाफ जांच और राजनीतिक दबाव दोनों बढ़ रहे थे। जून 2026 में CBI ने मामले में चार्जशीट दाखिल की थी,

जिसमें नागेंद्र समेत 30 लोगों को आरोपी बनाया गया। एजेंसी ने आरोप लगाया कि निगम के करीब 89.63 करोड़ रुपये फर्जी चेक और RTGS लेनदेन के जरिए दूसरे खातों में ट्रांसफर किए गए।

इसके बाद BJP और JD(S) ने नागेंद्र को दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का लगातार विरोध किया। विपक्ष ने विधानसभा में हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए। 24 अगस्त को BJP नेताओं ने नागेंद्र के खिलाफ अभियान तेज करते हुए रायचूर से बल्लारी तक पदयात्रा का ऐलान किया था। इसके अलावा CBI की ओर से नागेंद्र के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी को लेकर राज्यपाल स्तर पर भी प्रक्रिया आगे बढ़ने की खबरें सामने आई थीं। ऐसे में सरकार पर राजनीतिक दबाव और बढ़ गया।

25 दिन पहले ही दोबारा बने थे मंत्री

बी नागेंद्र ने 3 अगस्त 2026 को डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में दोबारा जगह बनाई थी। उन्हें योजना एवं सांख्यिकी विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन दोबारा मंत्री बनने के बाद भी वाल्मीकि निगम का विवाद उनका पीछा नहीं छोड़ पाया। BJP और JD(S) ने सवाल उठाया कि जिस मामले के चलते उन्हें 2024 में मंत्री पद छोड़ना पड़ा था, उसी मामले की जांच के बीच उन्हें फिर कैबिनेट में क्यों शामिल किया गया। लगातार बढ़ते दबाव के बीच 28 अगस्त को नागेंद्र ने स्वेच्छा से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श की पहली स्पीच से ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता व हड़कंप!

(जीएनएस)।

नई दिल्ली अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श की एक स्पीच (fed chair kevinwarsh) ने दुनिया भर के बाजारों में खलबली मचा दी है। शुक्रवार को वायोमिंग के जैक्सन होल में फेड के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए वॉर्श ने स्पष्ट चेतावनी दी कि महंगाई में कोई खास कमी नहीं आ रही है।

उन्होंने साफ किया कि अगर महंगाई 2% के तय लक्ष्य तक पर्याप्त गति से नहीं आती है, तो फेडरल रिजर्व को 'काम करना होगा', जिसका सीधा इशारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की तरफ है।

मई में चेयरमैन का पद संभालने के बाद यह वॉर्श का पहला बड़ा संबोधन था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्याज दरें ही फेड का 'मुख्य हथियार' हैं। वॉर्श ने कहा,

इस गर्मी में पीसीई (PCE) और सीपीआई (CPI) के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि बुनियादी रुझानों में कोई सार्थक सुधार हुआ है। हमारा पहला लक्ष्य महंगाई पर नियंत्रण है।"

केविन वॉर्स की स्पीच का भारत समेत दुनिया पर क्या असर?

वॉर्श की इस स्पीच का असर न सिर्फ अमेरिका, बल्कि दुनिया भर के बाजारों पर पड़ेगा। अगर फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ाता है, तो इसके क्या परिणाम होंगे?

सोना-चांदी : ब्याज दरें बढ़ने पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल सकती है। निवेशकों का रुझान डॉलर और बॉन्ड की तरफ जाएगा, जिससे इन कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ सकती है।

शेयर बाजार : महंगे कर्ज के डर से विदेशी निवेशक (FIIs) अपना पैसा निकाल सकते हैं, जिससे स्टॉक मार्केट में गिरावट आ सकती है।

डॉलर : ब्याज दरें बढ़ने से अमेरिकी डॉलर में मजबूती आएगी, जिससे अन्य देशों की मुद्राएं कमजोर होंगी।

भारत पर क्या होगा असर?

केविन वॉर्श के इस रुख का सीधा असर भारत पर भी पड़ेगा। अगर अमेरिकी फेड दरें बढ़ाता है, तो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) पर भी ब्याज दरें कम न करने या उन्हें बढ़ाने का दबाव बन सकता है।

कर्ज होगा महंगा: होम लोन, ऑटो लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई (EMI) महंगी हो सकती है।

रुपए में गिरावट: डॉलर मजबूत होने से भारतीय रुपये में गिरावट आ सकती है, जिससे आयात (Import) महंगा होगा।

महंगाई का दबाव: आयात महंगा होने से भारत में भी महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, खासकर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर।

बाजार में बढ़ सकती है अनिश्चितता?

जुलाई की बैठक में फेड ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया था, जिसके बाद वॉर्श की संचार रणनीति की आलोचना हुई थी।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

'विकास परियोजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं', सीएम योगी ने 30 सितंबर तक डिजिटल लाइब्रेरी तैयार करने के दिए सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

विकास परियोजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं, हर काम समयबद्ध ढंग से पूरा हो: मुख्यमंत्री योगी।

विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर।

डिजिटल लाइब्रेरी 30 सितंबर तक तैयार करने के निर्देश।

भूमि अधिग्रहण और राजस्व मामलों में तेजी लाने का आदेश।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में प्रदेश में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल परियोजनाओं की घोषणा और स्वीकृति तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक परियोजना को तय समय में जमीन पर उतारना और उसका वास्तविक लाभ जनता तक पहुंचाना है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि अधिग्रहण, निविदा, विभागीय समन्वय अथवा अन्य स्तर पर लंबित कार्यों का तत्काल समाधान किया जाए और जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षित गति से नहीं है, उनकी नियमित समीक्षा कर जवाबदेही तय की जाए।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में बेहतर कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। एक्सप्रेसवे को केवल परिवहन परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि उद्योग, निवेश, रोजगार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाले कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाए।

बैठक में बताया गया कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 6 अगस्त को निविदा प्रकाशित हो चुकी है और सितंबर में इसका चयन किया जाना है। फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए आवश्यक 1,339.04 हेक्टेयर भूमि में 1,222.25 हेक्टेयर, यानी 91.28 प्रतिशत भूमि प्राप्त हो चुकी है।

आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 80.43 प्रतिशत, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 84.82 प्रतिशत और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 79.27 प्रतिशत भूमि प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने और परियोजनाओं को निर्धारित समय में आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

मेरठ-हरिद्वार, विंध्य और विंध्य पूर्वांचल स्पर एक्सप्रेसवे की प्लानिंग के संबंध में बैठक में बताया गया कि सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है और अब भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जानी है। मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को भूमि संबंधी कार्यवाही में तेजी लाने

के निर्देश दिए, ताकि इन महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब न हो।

ग्रेटर नोएडा के मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स हब की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉजिस्टिक्स परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए, जिससे उत्तर प्रदेश देश और दुनिया की सप्लाई चेन का मजबूत केंद्र बन सके। उन्नाव के एक्वा बिजनेस प्रोजेक्ट की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कानपुर के बिनगवां में 40 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से पनकी पावर प्लांट को उपचारित जल उपलब्ध कराने की परियोजना का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी परियोजनाओं में संबंधित विभागों के इंजीनियरों की क्षमता निर्माण पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन और अनुरक्षण में गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

स्वास्थ्य संस्थानों, अस्पतालों और होटल-गेस्ट हाउस में अग्नि सुरक्षा की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने फायर एनओसी से संबंधित प्रभावी डिजिटल डेटाबेस तैयार करने तथा एनओसी की वैधता समाप्त होने से पहले नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कराने के निर्देश दिए।

लखनऊ में सीवर लाइन और मैनहोल के भीतर से गुजर रहे विद्युत एवं ओएफसी केबलों की स्थिति की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे में सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए। जहां भी केबल सीवर लाइन अथवा मैनहोल से गुजर रहे हैं, उन्हें निर्धारित मानकों के अनुसार शिफ्ट किया जाए और कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यों में स्थानीय निकाय से एनओसी जरूर प्राप्त कर लें।

विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां लाइन लॉस अत्यधिक हैं, वहां वास्तविक कारणों की पहचान कर ठोस कार्रवाई की जाए। बिजली चोरी, बिलिंग और वसूली की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए तथा अत्यधिक लाइन लॉस वाले क्षेत्रों में डिस्कॉम के जिम्मेदार अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जाए।

ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्हें ग्रामीण विद्यार्थियों और युवाओं के लिए अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और डिजिटल ज्ञान के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि डिजिटल लाइब्रेरियों से जुड़े सभी आवश्यक कार्य 30 सितंबर तक हर हाल में पूरे कर लिए जाएं।

जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चिन्हित सभी परिवारों को आवास की सुविधा मिलनी चाहिए। जिन पात्र परिवारों का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना में नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना से जोड़ा जाए।

उन्होंने कहा पात्र परिवारों को राशन, आयुष्मान कार्ड, शौचालय, आवास और अन्य संबंधित योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा परिवार के कम से कम एक सदस्य को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने का प्रयास हो।

बैठक में बताया गया कि 12.50 लाख चिन्हित परिवारों में नौ लाख परिवार आवास के लिए पात्र पाए गए हैं। इनमें 4.50 लाख लोगों का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची में है, जबकि करीब पांच लाख परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया जाना है। 6.67 लाख परिवारों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं था। बीओसीडब्ल्यू में पंजीकृत परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्रवाई आगे बढ़ी है।

श्रमिकों के लिए संचालित लेबर अड्डों की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों को सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लेबर अड्डों का सर्वे कर वहां पेयजल, शौचालय, स्वच्छता, स्नान, चिकित्सा और भोजन जैसी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

श्रमिकों के लेबर कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। प्रत्येक नगर निगम क्षेत्र में मेडिकल मोबाइल यूनिट, मोबाइल कैंटीन और आवश्यकतानुसार अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। चंदौली में निर्मित फिश मार्केट के संचालन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तैयार परिसंपत्तियों का तत्काल और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

गोरखपुर में निर्माणाधीन 30 हजार क्षमता वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना को निर्धारित समय में पूरा करने के साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए। बैठक में बताया गया कि निर्माण कार्य दिसंबर 2025 में शुरू हुआ है और इसे दिसंबर 2027 तक पूरा किया जाना है।

इसी तरह मेरठ के मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विभिन्न नीतियों के तहत देय वित्तीय प्रोत्साहनों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों को नीति के अनुरूप स्वीकृत वित्तीय प्रोत्साहन समय पर जारी किए जाएं।

राजस्व विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत और पैमाइश से जुड़े मामलों का निस्तारण आम नागरिक के अधिकार और संपत्ति से सीधे जुड़ा विषय है। उन्होंने मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से प्रयागराज में निरस्त किए गए विरासत संबंधी आवेदनों की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निरस्तीकरण की पूरी कार्रवाई मेरिट के आधार पर ही हुई हो और पात्र व्यक्ति किसी भी स्थिति में अनावश्यक रूप से प्रभावित न हो।

बैठक में बताया गया कि निर्विवाद विरासत के मामलों में सर्वाधिक 13,386 आवेदन प्रयागराज में निरस्त किए गए हैं। पैमाइश से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने और प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों की नियमित समीक्षा के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि भूमि संबंधी विवाद अनावश्यक रूप से लंबित न रहें।

'स्वाइन फ्लू के लक्षणों को न करें नजरअंदाज', लखनऊ में 50 वर्षीय महिला की मौत के बाद सीएम योगी ने जारी किया अलर्ट

लखनऊ में स्वाइन फ्लू से एक महिला की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त दवाएं और जीवनरक्षक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का आदेश दिया है।

(जीएनएस)।

लखनऊः स्वाइन फ्लू एक बार फिर धीरे-धीरे देश के अलग अलग हिस्सों में पैर पसारता जा रहा है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से सामने आ रहे स्वाइन के मामलों के बीच राजधानी लखनऊ में भी इसका प्रकोप बढ़ता जा रहा है। लखनऊ में शुक्रवार को बलरामपुर अस्पताल में स्वाइन फ्लू से एक 50 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे स्वाइन फ्लू के शुरूआती लक्षणों को

कतई नजरअंदाज न करें और समय रहते नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में जांच कराकर उपचार शुरू करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य विभाग, सभी जिलों के जिलाधिकारियों और उटड को पूरे प्रदेश में स्वाइन फ्लू की स्थिति पर प्रभावी व निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश जारी किए हैं। सीएम ने स्पष्ट किया है कि सभी सरकारी अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, आवश्यक दवाएं, जांच किट और वेंटिलेटर जैसी जीवनरक्षक व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहनी चाहिए, ताकि किसी भी मरीज को इलाज में असुविधा न हो

बलरामपुर अस्पताल में हुई थी सीजन की पहली मौत

लखनऊ के इंदिरानगर की रहने वाली 50 वर्षीय महिला को सर्दी-जुकाम, तेज बुखार और सांस लेने में गंभीर तकलीफ के बाद बीते 25 अगस्त को बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 24 अगस्त को एक निजी पैथोलॉजी की जांच में महिला में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई थी। अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। मौत के बाद जब परिजनों ने पॉजिटिव रिपोर्ट दिखाई तो हड़कंप मच गया। ऐहतियात के तौर पर महिला के इलाज व देखरेख में शामिल 17 डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और संपर्क में आए मरीजों के नमूने जांच के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी यानी डञ्क्टव भेजे गए हैं और संबंधित स्टाफ को आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है।

सतर्कता और समय पर इलाज ही बचाव

लगातार बढ़ रहे मामलों की गंभीरता को देखते हुए सीएम योगी ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि मौसम में बदलाव के दौरान मौसमी बीमारियों और इन्फ्लूएंजा का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में यदि किसी को लगातार तेज बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई दें तो वे बिना देरी किए चिकित्सकीय परामर्श लें। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए और संदिग्ध मामलों की तुरंत कांटेक्ट ट्रेसिंग कराई जाए।

जलभराव से मिलेगी राहत, तीन इलाकों में सात किमी लंबे नाले बनेंगे

(जीएनएस)।

प्रयागराज। शहर में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है. भरद्वाजपुरम (अल्लापुर), बाघंबरी हाउसिंग, टैगोर टाउन और सोहबतियाबाग क्षेत्र में सात किलोमीटर से अधिक लंबाई में नए नालों का निर्माण कराया जाएगा.

इन पर करीब आठ करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे. नगर निगम की योजना है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर अगले दो माह के भीतर नालों का निर्माण शुरू करा दिया जाए.

हाल में हुई भारी बारिश के दौरान अल्लापुर, बाघंबरी हाउसिंग, टैगोर टाउन और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या सामने आई थी. कई स्थानों पर बारिश का पानी सड़कों और गलियों में जमा हो गया था. इसे देखते हुए नगर निगम ने जल निकासी के नए रास्ते तैयार करने की योजना बनाई है. नए नालों के बनने से पुराने और संकरे निकासी मार्गों पर दबाव कम होगा और बारिश का पानी तेजी से मुख्य निकासी मार्ग तक पहुंच सकेगा.

अल्लापुर में तीन किलोमीटर लंबा नाला

अल्लापुर क्षेत्र में कुंदन गेस्ट हाउस से रेलवे डाट पुल होते हुए बक्सी बांध पंपिंग स्टेशन तक नाला बनाया जाएगा. इसके आगे साकेत अस्पताल और नारायण अस्पताल होते हुए 80 फीट रोड तक भी नाले का निर्माण कराया जाएगा. करीब तीन किलोमीटर लंबे इस नाले पर तीन करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे. इसे आसपास के मोहल्लों के पानी की निकासी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा.

टैगोर टाउन में 2500 मीटर का नाला

टैगोर टाउन क्षेत्र में संगम पेट्रोल पंप से कुंदन गेस्ट हाउस और एलआइसी कालोनी रोड तक करीब 2500 मीटर लंबा नाला बनाया जाएगा. इसके निर्माण पर 1.64 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इससे टैगोर टाउन और आसपास के इलाकों में बारिश के पानी की निकासी बेहतर होने की उम्मीद है.

सोहबतियाबाग में भी बनेगा नया नाला

सोहबतियाबाग में रेलवे लाइन के बराबर कुंदन गेस्ट हाउस डाट पुल से बुलेट एजेंसी तक करीब 1500 मीटर लंबे नाले का निर्माण कराया जाएगा. इस पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. नगर निगम का मानना है कि नए नालों के निर्माण से जल निकासी की मौजूदा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी.

दो माह में शुरू होगा निर्माण

नगर निगम के मुख्य अभियंता दिनेश चंद्र सचान ने बताया कि नालों के निर्माण के लिए जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी. इसके बाद दो माह के भीतर निर्माण कार्य शुरू कराने का लक्ष्य है. महापौर गणेश केसरवानी ने बताया कि अल्लापुर, जार्जटाउन और टैगोर टाउन में जलभराव की समस्या अधिक रहती है. इन क्षेत्रों को जलभराव से राहत दिलाने के लिए सर्वे कराया जा चुका है. बजट की व्यवस्था है और बारिश के बाद नालों का निर्माण कराया जाएगा.

7 किमी से अधिक लंबाई में बनेंगे नए नाले

8 करोड़ रुपये से अधिक होंगे खर्च

3 किमी नाला अल्लापुर में

2500 मीटर नाला टैगोर टाउन में

1500 मीटर नाला सोहबतियाबाग में

दो माह में निर्माण शुरू कराने का लक्ष्य

दो दिन में सरकारी बसों से 35000 बहनों ने की मुफ्त यात्रा

(जीएनएस)।

पडरौना, रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा का बहनों ने जमकर लाभ उठाया। भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए मायके जाने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ने से रोडवेज बसों में जबरदस्त भीड़ रही।

दो दिन में जिले के विभिन्न बस स्टेशनों और प्रमुख मार्गों से 35 हजार से अधिक महिलाओं ने अपने अटेंडेंट के साथ मुफ्त यात्रा की है। यात्रियों की संख्या यकायक बढ़ने से कई बसों में पैर रखने तक की जगह नहीं बची। सीट के लिए यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी रही।

महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था

पडरौना डिपो की 61 बसों को लगाया गया है। इसमें परिवहन निगम की 43 व अनुबंधित 18 बसें शामिल हैं। रक्षाबंधन के मद्देनजर रोडवेज की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की व्यवस्था लागू होते ही बस स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। खासकर कुशीनगर से गोरखपुर, पडरौना, कसया, हाटा, रामकोला, कप्तानगंज, तमकुहीराज, फाजिलनगर और देवरिया की ओर जाने वाली बसों में काफी भीड़ रही। सुबह से ही बसों के इंतजार में यात्रियों की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाओं के साथ उनके बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों के यात्रा करने से बसों में भीड़ और बढ़ गई। बस के पहुंचते ही यात्री सीट पाने के लिए चढ़ने को लेकर जल्दबाजी करते नजर आए। कई बसों में खड़े होकर यात्रा करने वालों की संख्या भी काफी रही। भीड़ अधिक होने के कारण बसों के अंदर यात्रियों को एक-दूसरे से सटकर खड़ा होना पड़ा। सरकार की व्यवस्था के तहत महिलाओं के साथ निर्धारित अटेंडेंट को भी यात्रा की सुविधा मिलने से बड़ी संख्या में महिलाएं अपने परिजनों के साथ मायके पहुंचीं। इससे रक्षाबंधन पर बहनों के लिए यात्रा आसान हुई। सामान्य दिनों की अपेक्षा बसों में महिलाओं की संख्या कई गुना बढ़ गई। कई परिवारों ने निजी वाहन या अन्य साधनों के बजाय सरकारी बस से यात्रा करना पसंद किया। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रोडवेज की ओर से अतिरिक्त बसों के संचालन और उपलब्ध बसों के अधिकतम उपयोग की व्यवस्था की गई। इसके बावजूद प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की भीड़ कम नहीं हुई। बस के आते ही उसमें बैठने के लिए यात्रियों में होड़ मच जा रही थी। कुछ स्थानों पर बस पूरी तरह भर जाने के बाद भी यात्रियों को अगले फेरे का इंतजार करना पड़ा। मुफ्त यात्रा की सुविधा महिलाओं के लिए राहत भरी रही, लेकिन अत्यधिक भीड़ के चलते अन्य यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बसों में सीट न मिलने के कारण बुजुर्ग, बच्चे और महिलाओं के साथ यात्रा कर रहे पुरुष यात्रियों को भी काफी देर तक खड़े होकर सफर करना पड़ा। भीड़ के कारण कई जगह धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। रक्षाबंधन को देखते हुए यात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। महिलाओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराने के लिए बसों के संचालन पर जिम्मेदारों ने लगातार नजर रखा। दो दिन में 35 हजार से अधिक महिलाओं द्वारा अटेंडेंट के साथ यात्रा किए जाने से इस सुविधा के प्रति महिलाओं में उत्साह रहा। महिलाओं की यात्रा 27 अगस्त की सुबह छह बजे से 29 की आधी रात 12 बजे तक बसें चलेगी। पहले दिन 15 हजार व दूसरे दिन 20 हजार महिलाओं ने यात्रा किया है। यात्रियों को बढने पर अतिरिक्त बसों का संचालन करना पड़ा।

योजनाओं का सफल कार्यान्वयन

सरकारी बसों का महिलाओं ने अटेंडेंट के साथ जमकर फायदा हुआ है। दो दिन में 35 हजार से अधिक महिलाओं ने सहयोगियों के साथ यात्रा की है। सरकार की यह योजना शनिवार की आधी रात तक जारी रहेगा। **जयप्रकाश प्रधान, एआरएम पडरौना डिपो**

रक्षाबंधन पर परिवहन निगम की बसें फुल, सफर के लिए मारामारी

(जीएनएस)।

आजमगढ़, । रक्षाबंधन के पर्व पर परिवहन निगम की बसों में यात्रा करने के लिए मारामारी मची रही। बस स्टेशन से लेकर सभी स्टापेज पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। हालत यह थी कि बसों की संख्या कम पड़ जा रही थी।

बसें न मिलने से रोडवेज पर यात्री भटकते हुए दिखाई दिए। प्रदेश सरकार ने रक्षाबंधन के पर्व पर 27 अगस्त की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्य रात्रि तक बहनों के साथ ही उनके साथ एक सहयोगी को मुफ्त यात्रा की सौगात दी है। वहीं, परिवहन निगम के अधिकारियों ने बहनों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए बसों के फेरे बढ़ाने का दावा किया था। उन्हें उम्मीद थी कि बसों के फेरे बढ़ने से यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित कर लिया जाएगा। शुक्रवार को सुबह से ही पर्व पर उम्मीद से अधिक भीड़ उमड़ने से बसों की संख्या कम हो गई। बस स्टेशन में आते ही बसें फुल हो जा रही थीं। क्षमता से दोगुना अधिक यात्री बसों में सवार हो जा रहे थे। यात्रियों में अपने गंतव्य स्थानों पर जाने के लिए जैसे होड़ मची हुई थी। हर कोई बस में

सवार होकर जाना चाह रहा था। बसों की संख्या कम होने से रोडवेज परिसर के अंदर यात्री भटकते नजर आए। गर्मी से महिलाएं और बच्चे परेशान नजर आए। पसीने से तरबतर होकर वे बसों का इंतजार कर रहे थे। पूछताछ केंद्र पर कर्मचारी बसों के बारे में सही जानकारी नहीं दे पा रहे थे.

प्राइवेट बसें और टेंपो से यात्रा करने को रहे विवश

सबसे ज्यादा परेशानी उन महिलाओं और उनके सहयोगियों को हुई जो मुफ्त यात्रा का लाभ लेने के लिए रोडवेज बस स्टेशन में बसों का इंतजार कर रही थीं। लंबे इंतजार के बाद भी जब निगम की बसें नहीं मिलीं तो वे किराया देकर प्राइवेट बसों और टेंपो से सफर करने के लिए विवश हुईं। मुफ्त यात्रा की सरकारी सुविधा का लाभ लेने की उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। निगम की दुर्व्यवस्था को लेकर बहनों में नाराजगी दिखाई दी. त्योहार पर यात्रियों की संख्या अचानक काफी बढ़ जाती है। यात्री लोकल स्टापेज से ही बसों में सवार हो जाते हैं। बस स्टेशन आने से पहले ही बसें फुल हो जा रही थीं। जिससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। यात्रियों की सुविधा के लिए सभी बसों के फेरे बढ़ाए गए थे. **मनोज वाजपेयी, आरएम**

मुश्किलों के बीच बहनों ने भाइयों को बांधी राखी

भागलपुर, गंगा का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बाढ़ के कारण दिलदारपुर बिंद टोली के कई परिवार अपना घर छोड़कर विश्वविद्यालय परिसर स्थित टिल्हा कोठी पर अस्थायी आशियाना बनाकर रह रहे हैं।

बाढ़ की मुश्किलों के बीच इन परिवारों ने प्लास्टिक की झोपड़ियों में ही रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। घर से दूर रहने के बावजूद भाई-बहन के अटूट प्रेम का उत्साह कम नहीं हुआ। सुबह से ही बच्चों के चेहरे पर त्योहार की खुशी थी। वहीं बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की।

भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। बिंद टोली के लोगों के बीच इस बार रक्षाबंधन का माहौल बिल्कुल अलग रहा। अपना घर नहीं होने के बावजूद भाइयों की कलाई पर राखी और बहनों की आंखों में त्योहार की चमक नजर आई। छोटे-छोटे बच्चों में त्योहार की एक अलग ही खुशी देखने को मिली। दिलदारपुर निवासी राजेश दास की पुत्री कोमल और शिल्पी ने अपने भाई आयुष को राखी बांधी। सुबोध दास की पुत्री पल्लवी और मधु ने अपने छोटे भाई गोपाल और साहेब को राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। सदानंद महतो की पुत्री खुशी कुमारी ने अपने बड़े भाई सन्नी को राखी बांधकर त्योहार की खुशियां मनाई। बच्चों ने कहा कि वे चाहते हैं कि बाढ़ की यह आपदा जल्द समाप्त हो और आने वाले त्योहार वे अपने घरों में मनाएं।

सेंट्रल स्कूल की छात्राओं ने एसएसबी जवानों को बांधी राखी

अररिया, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय अररिया में रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर देशभक्ति और स्नेह का अद्भुत संगम देखने को मिला। विद्यालय की विशेष प्रार्थना सभा में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान से हुआ, जिसमें एसएसबी के जवानों ने विद्यार्थियों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात विद्यालय की वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राथमिक विभाग के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा

स्वनिर्मित 200 से अधिक ईको-फ्रेंडली राखियां सशस्त्र सीमा बल के जवानों को सप्रेम भेंट की गईं। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने जवानों की कलाई पर राखी बांधकर राष्ट्र की सुरक्षा में संलग्न प्रहरियों के प्रति अपना सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

बच्चों ने इस पहल के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम, श्रद्धा और समर्पण भाव का परिचय दिया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अमित कुमार सिंह ने जवानों का विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन देश भर में राष्ट्रसेवा में समर्पित जवानों के पाल्यों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के पावन कार्य में संलग्न है। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय अररिया, सशस्त्र सीमा बल के साथ नियमित रूप से विभिन्न रचनात्मक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। इस समन्वयपूर्ण संबंध से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और अनुशासन का समुचित विकास हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने इस आत्मीय सम्मान के लिए विद्यालय परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

वाहन चेकिंग में पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा

शाहगंज, हिन्दुस्तान संवाद। आजमगढ़ मार्ग स्थित भादी गांव के पास गुरुवार रात वाहन चेकिंग के दौरान कोतवाली पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया। तलाशी में एक युवक के पास से 315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद हुआ।

दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की ई-रिक्शा की बैटरी और दो टायर भी बरामद किए। कोतवाली निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह और उपनिरीक्षक ओमप्रकाश पांडेय पुलिस टीम के साथ भादी गांव के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान संदिग्ध हालत में दो युवकों को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान कोरवलिया भादी निवासी सिमंत यादव पुत्र अनिल यादव के पास से तमंचा और कारतूस मिला।

दूसरे आरोपी की पहचान आजमगढ़ के फूलपुर थाना क्षेत्र के चमराडीह गांव निवासी सौरभ गौड़ पुत्र कुन्नूर गौड़ के रूप में हुई। पूछताछ के बाद दोनों की निशानदेही पर चोरी की ई-रिक्शा की बैटरी और दो टायर बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार सौरभ गौड़ के खिलाफ पहले से करीब छह मुकदमे दर्ज हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

भोग और उपभोत्तावादी संस्कृति के कारण आ रहीं नेपाल जैसी जन त्रासदियां!

तिब्बत के सैलाब से नेपाल में जल पलय इस आपदा ने यह जरूर जता दिया है कि नेपाल से लेकर उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में ग्लेषियर झीलों के खतरे बढ़ रहे है। राज्य में करीब 1266 ऐसी झीलें हैं। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने उत्तराखंड में 13 हिमनदों को खतरनाक श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है। इनमें से पांच को उच्च संकट की श्रेणी में रखा है। हालांकि यह मुद्दा कोई नया नहीं है। भारतीय दर्शन के अनुसार मानव सयता का विकास हिमालय और उसकी नदी-घाटियों से माना जाता है। त्रषि-कश्यप और उनकी दिति-अदिति नाम की पत्नियों से मनुष्य की उत्पत्ति हुई। फिर देव, असुर और मानव के विकासव्रम का सिलसिला शुरू हुआ। सिधु और सारस्वत सयता के विकास व्रम की शुरूआत हुई। इस विकसित क्षेत्र को आर्यावर्त कहा जाता था, जो आर्यांना से लेकर नेपाल और सप्त सिधु क्षेत्र तक पैला था। मोहनजोदड़ों और हड़प्पा जैसे विकसित नगर सिधु व रावी नदियों के तट पर थे। इन्हीं नदियों से बढ़ती आबादी को युद्ध और पौष्टिक पानी दिया गया और हिमालय में बांध बनाए गए। आरंभ में यह विकास धीमा था और विकास को आगे बढ़ाने के लिए हिमालय में कोई भू-गभाय खुदाई नहीं की गई थी। कितु आगे चलकर भोग और उपभोत्तावादी संस्वृति को विकास का पैमाना मान लिया गया। नतीजतन सरस्वती और द्दष्द्वती नदी क्षेत्र में बर्प के बड़े-बड़े शिलाखंड गिरने से बाढ़ ने समूचे ब्र१ावर्त और आर्यावर्त में पलय ला दिया। इतने बड़े रूप में सृष्टि के विनाश की यह बड़ी घटना थी, जिसका उल्लेख सभी धर्मो के ग्रंथों में मिलता है। नेपाल की तबाही को ऐसी ही पलय का कारण माना जा रहा है। क्योंकि इस पलय का कारण केवल बारिश नहीं है। नेपाल की इस त्रासदी के मूल में एक के बाद एक तीन मिनट के अंतराल से घटी दो घटनाएं हैं। हिमालय के तिब्बत क्षेत्र में सुबह 8:37 बजे 4.4 तीव्रता का भूवंप आया। नेपाल और चीन की सीमा पर हिमखंड का बड़ा हिस्सा टूट गया। इसके मलबे ने ल्हेंदे नदी के जल प्रवाह का मार्ग रोक दिया। अतएव जल के भंडारण से एक अस्थायी झील का निर्माण हो गया। पानी के भारी दबाव के चलते झील पूट गई। इसके पूटते ही पानी बर्प की षिलाएं और मलबे का तेज सैलाब नीचे आया। करीब 8:40 बजे भोटेकोषी और त्रिषूली नदी में बाढ़ आ गई। इससे रसुवा और नुवाकोट के एक दर्जन से ज्यादा इलाके प्रभावित हुए। इतनी ही जल विद्युत परियोजनाएं नष्ट हो गई। 170 लोग मरने की खबर हैं और करीब 1000 लोग लापता हैं। वैलाश मानसरोवर की यात्रा पर निकले भारतीय यात्री संकट में हैं। इनमें से 59 यात्रियों से संपर्व नहीं हो पा रहा है। 391 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक भी प्रभावित हैं। इन्हीं में 133 भारतीय नागरिक हैं। इस त्रासदी को 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ घाटी में आए जल पलय का पर्याय माना जा रहा है। दरअसल वर्तमान में समूचा हिमालयी क्षेत्र आधुनिक विकास और जलवायु परिवर्तन के खतरों से दो-चार हो रहा है। मौसम और प्रावृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले उपग्रह चाहे जितने आधुनिक तकनीक से जुड़े हों, वे अनियमित हो चुके मौसम के चलते बादलों के फटने, हिमखंडो के टूटने और भारी बारिश होने की क्षेत्रवार जानकारी देने में अब तक असमर्थ ही रहे हैं। इसीलिए 2013 में केदारनाथ पलय, 2014 में दुनिया का स्वर्ग माने जाने वाले जम्मू-कष्मीर राज्य की नदियों की बाढ़ से नरक में बदल जाने के संकेत नहीं मिल पाए थे। र्वषा की तीव्रता ऐसी मुसीबत बनी थी कि देखते-देखते स्वर्ग की धरती पर इठलाती-बलखाती नदियां झेलम, चिनाब और तवी ने अपनी प्रवृति बदलकर रौद्र रूप धारण कर लिया था। राज्य का जर्रा-जर्रा विनाश की वुरूपता में तब्दील हो गया था। अलगाववाद का प्रपंच अलापने में लगी राज्य सरकार का तंत्र पंगु हो गया था। तब सेना की मदद से इस भीषण त्रासदी से पार पाना संभव हो पाया था। इसी तरह 2021 में नंदादेवी राष्ट्रीय उद्दान के निकट हिमखंड के टूटने से ताबाही मची थी। इससे धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आई और तपोवन विश्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम कर रहे अनेक मजदूर काल के गाल में समा गए थे। हिमाचल प्रदेष में भी भू-स्खलन, बादल फटने और भारी बारिश से तबाही देखने में आ रही है।

बांग्लादेशी एक्सपर्ट ने मुस्लिम नाटो से दूर रहने के कारण बताए, कहा 'बांग्लादेश क्या भारत से युद्ध लड़ेगा?'

(जीएनएस)।

मक्का समझौते से दूर रहने की दूसरी वजह का हवाला देते हुए लिखा है कि इस्लामिक नाटो कहता है कि एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला होगा। तो क्या अगर भविष्य में भारत और पाकिस्तान किसी संघर्ष में फंसते हैं तो क्या बांग्लादेश भारत से युद्ध लड़ेगा?

(जीएनएस)।

ढाकाः बांग्लादेश की सियासत और आम लोगों के बीच एक बहस जो सबसे ज्यादा है वो ये कि क्या देश को पाकिस्तान, सऊदी और तुर्की वाले 'इस्लामिक नाटो' में शामिल होना चाहिए? बांग्लादेशी एक्सपर्ट मो. शरीफुल इस्लाम जो राजशाही यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशंस पढ़ाते हैं उन्होंने कहा है कि किसी देश को विदेश नीति से जुड़े फैसले भावनाओं के बजाय तथ्यों और सावधानीपूर्वक किए गए विश्लेषण के आधार पर लेने चाहिए। इसके पीछे उन्होंने 'रैशनल एक्टर मॉडल' का हवाला दिया है और भावनाओं के बजाए तर्क के आधार पर फैसला लेने की अपील की है।

उन्होंने लिखा है कि बांग्लादेश को 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' में शामिल होने का फैसला करने से पहले इसी तरह सावधानीपूर्वक आकलन करना चाहिए। इस नजरिए से देखें तो कई ठोस कारण हैं जिनकी वजह से इस समझौते में शामिल होना बांग्लादेश के सर्वोत्तम हित में नहीं हो सकता है। उन्होंने पांच ऐसे वजहों का जिक्र किया है और तारिक रहमान की सरकार को सलाह दी है कि बांग्लादेश को 'मक्का पैक्ट' में शामिल नहीं होना चाहिए।

पहला कारण- बांग्लादेश को किस देश से खतरा है?

मो. शरीफुल इस्लाम ने द डेली स्टार में लिखे लेख में पूछा है कि किसी रक्षा समझौते में शामिल होने का सबसे पहला आधार होता है किसी दुश्मन का होना। जब उन्हें गंभीर बाहरी सुरक्षा खतरों खासकर सैन्य खतरों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तान दलील दे सकता है कि उसे भारत और अफगानिस्तान से खतरा है, इसी तरह सऊदी अरब भी इजरायल और मिडिल ईस्ट के हालात का हवाला दे सकता है जबकि तुर्की के लिए भी इजरायल और भूमध्यसागर के देश खतरे की तरह दिख सकते हैं लेकिन बांग्लादेश के सामने क्या खतरा है?

इंल्लॅ'ीिरॅ क्ल्ल क्रॅ ठअळडः पाकिस्तान और तुर्की से हाथ मिलाकर क्या हासिल कर लेगा बांग्लादेश?

दूसरा कारण- क्या भारत से युद्ध लड़ेगा बांग्लादेश?

उन्होंने मक्का समझौते से दूर रहने की दूसरी वजह का हवाला देते हुए लिखा है कि इस्लामिक नाटो कहता है कि एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला होगा। तो क्या अगर भविष्य में भारत और पाकिस्तान किसी संघर्ष में फंसते हैं तो क्या बांग्लादेश भारत से युद्ध लड़ेगा? पाकिस्तान बांग्लादेश पर युद्ध में शामिल होने का दबाव बनाएगा। लेकिन बांग्लादेश ऐसी जिम्मेदारी क्यों ले? बेशक भारत के साथ बांग्लादेश के कई अनसुलझे मुद्दे हैं जैसे पानी का बंटवारा, व्यापार और सीमा से जुड़ी चुनौतियां। लेकिन इन समस्याओं को सैन्य टकराव से हल नहीं किया जा सकता। इनके लिए लगातार कूटनीति की जरूरत है जैसा कि समुद्री सीमा विवाद और जमीनी सीमा समझौते के सफल समाधान से साबित हुआ है।

तीसरा कारण- मध्य पूर्व में बांग्लादेश को चाहिए संतुलित नीति

उन्होंने तीसरा कारण गिनाते हुए लिखा है कि सऊदी अरब बांग्लादेशी प्रवासी कामगारों के लिए एक अहम जगह है लेकिन वअए, ओमान, कतर और कुवैत भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिए खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखना बांग्लादेश के आर्थिक और श्रम संबंधी हितों के लिए बहुत जरूरी है। इनमें से कुछ देशों के इस समझौते के सदस्यों के साथ अपने राजनीतिक और रणनीतिक मतभेद हैं और समझौते में शामिल होने का बांग्लादेश का फैसला उनके साथ उसके रिश्तों को मुश्किल में डाल सकता है।

चौथा कारण- ईरान से बांग्लादेश के रिश्ते

उन्होंने चौथा कारण होर्मुज स्ट्रेट को बताया है। मो. शरीफुल इस्लाम ने लिखा है कि वैश्विक व्यापार और वाणिज्य के लिए होर्मुज स्ट्रेट एक अहम समुद्री मार्ग है। अगर बांग्लादेश इस समझौते में शामिल होता है और ईरान और समझौते के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ता है तो ईरान इस जलडमरूमध्य से बांग्लादेशी मालवाहक जहाजों के गुजरने पर रोक लगा सकता है। ऐसी स्थिति बांग्लादेश के लिए खासकर उसकी ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है।

पांचवां कारण- आर्थिक हितों पर होगा गंभीर असर

मो. शरीफुल इस्लाम ने आगाह करते हुए लिखा है कि अपनी मौजूदा आर्थिक और सामाजिक स्थितियों को देखते हुए बांग्लादेश युद्ध में शामिल होने का जोखिम नहीं उठा सकता। उसके लिए भोजन, स्वास्थ्य, आर्थिक और पर्यावरण की सुरक्षा जरूरी है। ऐसा कोई भी सैन्य समझौता उसे हर एक क्षेत्र में गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे समझौते में शामिल होने पर बांग्लादेश पर इन देशों के संघर्ष में शामिल होने का बार बार दबाव बनेगा और इनमें से एक भी युद्ध बांग्लादेश का अपना नहीं होगा।

बांग्लादेश पर ऐसे संघर्षों में किसी एक पक्ष का साथ देने का दबाव बन सकता है जिनका उसकी अपनी सुरक्षा से शायद ही कोई लेना-देना हो। युद्ध में किसी भी तरह की भागीदारी का खामियाजा आखिरकार आम लोगों को ही भुगतना पड़ेगा क्योंकि विकास और जरूरी सार्वजनिक सेवाओं के लिए सीमित राष्ट्रीय संसाधनों को सैन्य खर्च की ओर मोड़ना पड़ेगा। युद्ध हमेशा देशों और उनके नागरिकों के लिए महंगा साबित होता है भले ही इससे हथियार और ऊर्जा कंपनियों को मुनाफा हो सकता है।

माठीपुरा में सेक्स वर्कर्स से पीएम मोदी के मंत्री रामदास अठावले ने बंधवाई राखी, किया बड़ा वादा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में मंत्री रामदास अठावले ने रक्षा बंधन का पर्व अलग तरीके से मनाया। अठावले मुंबई के रेड लाइट एरिया पहुंचे। उन्होंने यहां पर सेक्स वर्कर्स के तौर काम करने वाले महिलाओं से रखी बंधवाई। अठावले मुंबई में ही रहते हैं। उन्होंने रक्षा बंधन के मौके पर बड़ा वादा भी किया।

(जीएनएस)।

मुंबईः भाई-बहन अमर प्रेम के प्रतीक रक्षा बंधन के मौके पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मुंबई के रेड लाइट एरिया कमाठीपुरा में जाकर रक्षा बंधन मनाया। अठावले ने कहा कि आज पहली बार मैं कमाठीपुरा आया हूं। यहां रहने वाली महिलाएं मजबूरी में यहां रह रही हैं। अनेक राज्यों की महिलाएं यहां आती हैं। उन्होंने अपने हाथों से मुझे राखी बांधी है। मैं उनकी समस्या का समाधान करने के लिए प्रयत्न करने वाला हूं। उनको मुख्यधारा में लाने के लिए उनको रोजगार देना जरूरी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में केंद्रीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के राज्य मंत्री महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य हैं। 66 साल के रामदास अठावले रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) (ए) के प्रमुख हैं। वे खुद मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। उनका जन्म महाराष्ट्र के सांगली जिले के अगलगांव (संग्रामपुर) में हुआ था और वर्तमान में वे मुंबई रहते हैं।

मुंबई में कहां पर है कमाठीपुरा

कमाठीपुरा मुंबई के ग्रांट रोड (पूर्व) में स्थित भारत के सबसे पुराने और चर्चित रेड-लाइट एरिया में से एक है। किसी जमाने में इसे

कोलकाता के सोनागाछी की तरह एशिया के सबसे बड़े रेड-लाइट जिलों में गिना जाता था। 1795 के आसपास अंग्रेजों ने मुंबई के सात द्वीपों को जोड़ने के लिए कंस्ट्रक्शन का काम शुरू किया था। इसके लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से निर्माण मजदूरों को लाया गया, जिन्हें 'कामाठी' (मजदूर) कहा जाता था। उन्हीं के नाम पर इस इलाके का नाम 'कमाठीपुरा' पड़ा।

गंगूबाई काठियावाड़ी सबसे चर्चित नाम

शुरूआत में ब्रिटिश सरकार ने अपने सैनिकों के मनोरंजन और 'कंफर्ट जोन' के लिए इस इलाके को वेश्यावृत्ति के केंद्र के रूप में बढ़ावा दिया, जिसे तब 'लाल बाजार' कहा जाता था। यह क्षेत्र मुख्य रूप से 1 से 14 तंग गलियों में बंटा हुआ है, जहां छोटे और बेहद कम हवादार कमरों (ब्रॉथल्स) में सेक्स वर्कर्स रहती हैं। एक समय यहां हजारों की संख्या में सेक्स वर्कर्स थीं, लेकिन वर्तमान में यह संख्या सिमटकर लगभग 3,500 से 4,000 रह गई है, जिनमें से अधिकतर पश्चिम बंगाल और कर्नाटक से हैं। कमाठीपुरा के इतिहास में गंगूबाई काठियावाड़ी का नाम सबसे प्रमुख रहा है, जिन्होंने 1960 के दशक में यहां की महिलाओं और अनाथ बच्चों के अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी थी।

अभी क्या है कमाठीपुरा की स्थिति

हाल के सालों में कमाठीपुरा की तस्वीर तेजी से बदल रही हैःकारोबारी हबः सेक्स ट्रेड अब इस इलाके की मुख्य पहचान नहीं रह गया है। अब यहां बड़े पैमाने पर कबाड़ मार्केट, गारमेंट डाइंग (कपड़ों की रंगाई) और छोटे चमड़े के कारखाने खुल चुके हैं। महाराष्ट्र सरकार (टलअऊअ) और प्राइवेट बिल्डर्स इस पूरे इलाके का कायाकल्प कर रहे हैं। पुरानी जर्जर इमारतों को तोड़कर आधुनिक आवासीय और व्यावसायिक टावर बनाए जा रहे हैं, जिसके कारण यह क्षेत्र अब एक नए आधुनिक शहर में तब्दील हो रहा है। इस पुनर्विकास के चलते पुरानी कोठियां और ब्रॉथल्स बंद हो रहे हैं, जिससे बची-खुची सेक्स वर्कर्स मुंबई के बाहरी इलाकों (जैसे भिवंडी, नालासोपारा) की तरफ शिफ्ट होने को मजबूर हैं।

झारखंड के 'अर्जुन' को कबतक करना होगा अपने 'द्रोण' का इंतजार

(जीएनएस)।

रांची। झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। सीमित संसाधनों और कई जगह प्रशिक्षकों की कमी के बावजूद राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं और पदक जीत रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि जब खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए मैदान पर पसीना बहा रहे हैं, तो उन्हें सही दिशा देने वाले प्रशिक्षक कब मिलेंगे।

राज्य के एक दर्जन से अधिक खेल प्रशिक्षण केंद्रों में कोच की कमी इस सवाल को और गंभीर बना रही है। कई जगह नियमित कोचिंग व्यवस्था अब भी पूरी तरह स्थापित नहीं हो सकी है। कहीं दूसरे केंद्र के कोच को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, तो कहीं डे-बोर्डिंग कोच से ही काम चलाया जा रहा है। कुछ केंद्र ऐसे भी हैं, जहां कोच की आधिकारिक नियुक्ति अब तक नहीं हो सकी है।

कोच की कमी का मुद्दा

एक्सीलेंस हॉकी सेंटर, रांची में नियमित कोच नहीं हैं। फिलहाल व्यवस्था प्रभार के भरोसे चल रही है। एक्सीलेंस तीरंदाजी सेंटर, दुमका में कोच सुमित को तीन सेंटरों का प्रभार संभालना पड़ रहा है। वहीं एक्सीलेंस बैडमिंटन सेंटर, रांची में आवासीय कोच को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह अन्य जिलों में भी सेंटरों में प्रशिक्षण काम चलाऊ व्यवस्था पर है। आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों में खिलाड़ी नियमित तौर पर प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में प्रशिक्षक की उपलब्धता, प्रशिक्षण की निरंतरता, तकनीकी मार्गदर्शन, फिटनेस, प्रतियोगिता की तैयारी और खिलाड़ियों की व्यक्तिगत कमियों पर काम करने के लिए पर्याप्त कोचिंग स्टाफ जरूरी है।

नवसृजित सेंटर में होगी कोच की आवश्यकता

खेल निदेशालय ने साल 2024 में कई खेल सेंटर शुरू किए थे। इनमें से कई सेंटर अभी शुरू नहीं हुए हैं। कहीं कोच की कमी है तो कहीं अभी प्रशिक्षुओं की चयन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। नवसृजित खेल केंद्रों में हजारीबाग में बालिका बैडमिंटन सेंटर, रामगढ़ में बालक-बालिका तैराकी सेंटर, गोड्डा में बालक-बालिका नेटबॉल सेंटर, खूंटी में बालिका हॉकी, बालक फुटबॉल और बालक एथलेटिक्स सेंटर, आवासीय बालक/बालिका फुटबॉल चंदनक्यारी

और गढ़वा में बालक फुटबॉल सेंटर शामिल हैं। इनमें कोच की आवश्यकता होगी।

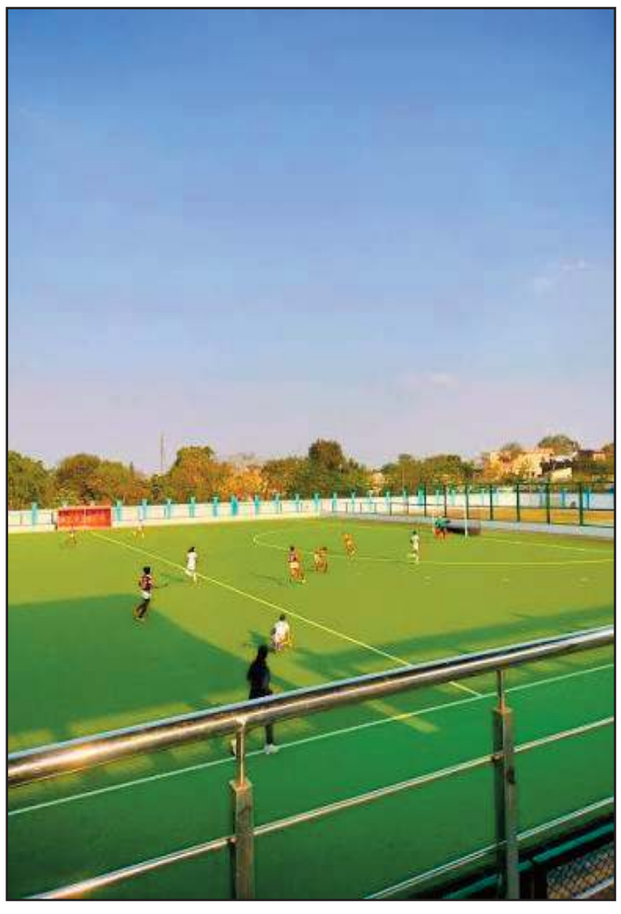

खेल सेंटर और कोच की स्थिति

एक्सीलेंस हॉकी सेंटर रांची- कोच नहीं, फिलहाल प्रभार में

आवासीय बालक फुटबॉल केंद्र गुमला- डे बोर्डिंग कोच को जिम्मेदारी

आवासीय बालक फुटबॉल केंद्र देवघर- काम चलाऊ व्यवस्था

आवासीय बालिका एथलेटिक्स सेंटर महुआटांड - कोच नहीं

आवासीय बालिका हॉकी सेंटर सिमडेगा - कोच नहीं

सिमडेगा में कुल पांच हॉकी सेंटर- दो कोच के भरोसे

गुमला में दो हॉकी सेंटर- एक कोच पर भार

आवासीय बालिका वॉलीबॉल सेंटर गोड्डा - काम चलाऊ व्यवस्था

आवासीय बालक फुटबॉल केंद्र सरायकेला-खरसावां- काम चलाऊ व्यवस्था

आवासीय बालिका फुटबॉल केंद्र दुमका- काम चलाऊ व्यवस्था

आवासीय बालिका फुटबॉल केंद्र चक्रधरपुर- काम चलाऊ व्यवस्था

आवासीय एथलेटिक्स सेंटर- काम चलाऊ व्यवस्था

(कई सेंटर में डे बोर्डिंग सेंटर के कोच कार्य कर रहे हैं)

'द्रोण' की जरूरत इसलिए...

राज्य के पूर्व खिलाड़ियों और ओलंपियन का भी मानना है कि झारखंड को अब खेल प्रतिभाओं की पहचान से आगे बढ़कर 'कोचिंग सिस्टम' को मजबूत करने पर ध्यान देना होगा। खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद तभी प्रभावी होगी, जब उन्हें नियमित रूप से विशेषज्ञ कोच, आधुनिक प्रशिक्षण पद्धति और प्रतियोगिता के अनुरूप तैयारी मिले।

- मनोहर टोपनो, पूर्व हॉकी ओलंपियन

एक प्रशिक्षक खिलाड़ी की तकनीकी कमियों को पहचानता है, प्रशिक्षण की वैज्ञानिक योजना तैयार करता है और प्रतियोगिता के दबाव से निपटने के लिए खिलाड़ी को तैयार करता है। खासकर एक्सीलेंस सेंटरों का उद्देश्य ही उच्चस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करना है। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की कमी व्यवस्था की मूल भावना पर सवाल खड़ा करती है।

- रीना कुमारी, पूर्व ओलंपियन तीरंदाज

पूर्व खिलाड़ियों के सुझाव

सभी प्रशिक्षण केंद्रों में स्वीकृत पदों के अनुसार नियमित कोच की नियुक्ति हो।

एक कोच को कई सेंटरों का अतिरिक्त प्रभार देने की व्यवस्था सीमित की जाए।

खेलवार विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

वर्ष 2024 में शुरू हुए नवसृजित सेंटरों की कोचिंग व्यवस्था की समीक्षा हो।

आवासीय केंद्रों में नियमित प्रशिक्षक की व्यवस्था प्राथमिकता पर हो।

खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रदर्शन का नियमित मूल्यांकन किया जाए। सेंटर शुरू करने से पहले ही भवन, उपकरण, प्रशिक्षक और सपोर्ट सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बच्चों का मुंह देखने को तरस गया...सीमा को याद कर भावुक हुए सचिन- वीडियो वायरल

वायरल हो रहे वीडियो में सचिन मीणा काफी थका हुआ लेकिन अपनों से मिलने की खुशी और उनके लिए तड़प के साथ नजर आ रहा है. वीडियो को देखकर यूजर्स भी भावुक हो गए हैं.

पाकिस्तान से आई सीमा हैदर और ग्रेटर नोएडा के सचिन मीणा की लव स्टोरी एक बार फिर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है. हाल ही में सचिन मीणा का एक बेहद इमोशनल और भावुक कर देने वाला वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में सचिन अपनी पत्नी सीमा हैदर और अपने बच्चों से दूर रहने का दर्द बयां करते हुए नजर आ रहा है. लगातार काम की व्यस्तता और परिवार से दूरी के कारण सचिन खुद पर काबू नहीं रख सका और कैमरे के सामने ही उसके आंसू छलक पड़े.

3 दिनों की कड़ी मशक्कत और बच्चों से दूरी का दर्द

वायरल हो रहे वीडियो में सचिन मीणा काफी थका हुआ लेकिन अपनों से मिलने की खुशी और उनके लिए तड़प के साथ नजर आ रहा है. सचिन बताता है कि वह पिछले 3 दिनों से लगातार अपने काम में व्यस्त था और बिना रुके बाइक पर सफर कर रहा था. इन 3 दिनों के दौरान वह एक बार भी अपने बच्चों और सीमा से नहीं मिल सका. उसने बताया कि लगातार बाइक चलाते हुए और काम करते हुए भी उसका ध्यान बार-बार सिर्फ अपने बच्चों और परिवार की ओर ही जा रहा था.

'घर आ गया हूं, सीमा और बच्चों के लिए खाना लेकर...'

अपनी भावनाओं को बयां करते हुए सचिन ने कहा कि पूरे 3 दिन बाद अब वह फाइनली अपने घर वापस आया है. वह अपने हाथ में सीमा और बच्चों के लिए खाना लेकर लौटता दिखाई दे रहा है. सचिन वीडियो में कहता है कि काम के सिलसिले में भले ही उसे बाहर रहना पड़ा, लेकिन हर पल उसे अपने बच्चों की याद सताती रही. बच्चों की शक्ल न देख पाने का मलाल उसकी बातों में साफ झलका, जिसके चलते वह रास्ते भर कई बार भावुक हुआ और रोया.

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ सचिन का यह भावुक अंदाज

सचिन मीणा का यह नया रूप देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी काफी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. वीडियो के सामने आने के बाद कुछ लोग जहां सचिन को एक जिम्मेदार और अपने परिवार का ख्याल रखने वाला पति और पिता बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे देखकर उसकी भावनाओं से जुड़ रहे हैं. फिलहाल यह वीडियो इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर तेजी से देखा जा रहा है।

3 या 4 सितंबर? कब मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी, पंचांग के अनुसार सही तारीख और शुभ मुहूर्त

(जीएनएस)।

जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला खास त्योहार है। इस दिन मंदिरों से लेकर घरों तक कान्हा के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। भक्त पूरे दिन व्रत रखते हैं और रात में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने के बाद उनका जन्मोत्सव मनाते हैं।

हालांकि, इस बार जन्माष्टमी की तारीख को लेकर लोगों के बीच असमंजस बना हुआ है। कुछ लोग 3 सितंबर को जन्माष्टमी बता रहे हैं, जबकि कुछ के मुताबिक 4 सितंबर को यह पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में सही तारीख जानना जरूरी है। पंचांग के अनुसार इस बार अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के समय को देखते हुए जन्माष्टमी की पूजा 4 सितंबर 2026 को की जाएगी। आइए जानते हैं जन्माष्टमी

की सही तारीख, धार्मिक महत्व और व्रत खोलने का तरीका।

4 सितंबर को मनाई जाएगी जन्माष्टमी

पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 3 सितंबर की शाम से शुरू होकर 4 सितंबर तक रहेगी। धार्मिक मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि की रात रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इसलिए जन्माष्टमी की पूजा में इन दोनों का समय खास माना जाता है। इस साल रोहिणी नक्षत्र 3 सितंबर की रात 11:30 बजे शुरू होगा और 4 सितंबर की रात 12:14 बजे तक रहेगा। पंचांग की गणना के आधार पर कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर 2026 को मनाया जाएगा।

क्यों खास है जन्माष्टमी?

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। माना जाता है कि भगवान विष्णु ने कृष्ण के रूप में धरती पर अवतार लेकर अत्याचारी कंस का अंत किया और धर्म की स्थापना की।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को बिल्हौर की पूर्व विधायक प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने बांधी राखी

(जीएनएस)।

आज रक्षाबंधन के पावन अवसर पर समाजवादी पार्टी की नेत्री एवं बिल्हौर की पूर्व विधायक प्रत्याशी श्रीमती रचना सिंह गौतम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी को

अरौल एक्सप्रेस वे पर राखी बांधकर उनके दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर रचना सिंह गौतम ने कहा कि, "माननीय अखिलेश यादव जी मेरे बड़े भाई समान हैं।

उन्होंने हमेशा बहन-बेटियों के सम्मान और सुरक्षा के लिए काम किया है।

आज रक्षाबंधन के दिन मैंने भाई के रूप में उनसे आशीर्वाद लिया है कि वे इसी तरह उत्तर प्रदेश की बहन-बेटियों की आवाज बनते रहें और ढऊआ परिवार को मजबूती देते रहें।"

माननीय अखिलेश यादव जी ने भी बहन रचना सिंह गौतम को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इस दौरान समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी तमंचे व खोखे के साथ गिरफ्तार

(जीएनएस)।

बीसलपुर। थाना बीसलपुर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 12 बोर का अवैध देशी तमंचा तथा नाल में फंसा खोखा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धाराओं में भी मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को भसूड़ा चौराहा निवासी चंचल देवी पत्नी श्यामाचरण की तहरीर पर गगन भारती उर्फ सल्ले पुत्र पप्पू निवासी ग्राम चौसरा के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 403/26 धारा 109(1) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अभियान चला रही थी।

इसी क्रम में 27 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे पुलिस टीम ने चौसरा नहर की पुलिया के पास से गगन भारती उर्फ सल्ले (21 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का अवैध देशी तमंचा बरामद हुआ, जिसकी नाल में एक खोखा कारतूस फंसा हुआ था। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 3/25/27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई।

शराब के नशे में फायरिंग का आरोप, पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 25 अगस्त की सुबह वह बल्ली लादने के लिए अपना डल्लप लेकर श्यामाचरण की दुकान के पास पहुंचा था। बल्ली लादने के बाद वह दुकान के पास लगे नल के समीप शराब पीने लगा। इसके बाद वह श्यामाचरण की दुकान में बैठकर बीड़ी पीने लगा। बीड़ी पीने से मना करने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान आरोपी ने शराब के नशे में अपने पास मौजूद तमंचे से श्यामाचरण पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया और मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक जितेन्द्र, कांस्टेबल विजय, कांस्टेबल परमजीत तथा रिजर्व कांस्टेबल राहुल नागर शामिल रहे।

धर्म,समाज और हम:उत्कृष्ट प्रकृति प्रेमियों का समूह, रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ क्षेत्र में रक्षाबंधन का पावन पर्व समाज को एक नवीन दृष्टि प्रदान करता है। स्नेह, प्रेम और समर्पण का पावन पर्व है रक्षाबंधन दूसरे संदर्भ में समझें तो रक्षा सूत्र/बंधन का पर्व, प्रत्येक वर्ष इसलिए भी मनाया जाता है ताकि हमारी वासनामय दृष्टि उपासनामय बन सके। वासनामय दृष्टि का परिमार्जन भी इस पर्व का एक प्रमुख उद्देश्य है। हम अपनी बहनों को तो रक्षा का वचन अवश्य दें, साथ में उन्हें यह वचन भी जरूर दें कि आज से कोई भी अकेली स्त्री, मेरी दृष्टि में एक अवसर नहीं, अपितु एक जिम्मेदारी होगी। आज के दिन हम सभी को यह बात अवश्य ध्यान में रखनी चाहिए कि "मैं केवल अपनी बहन की रक्षा

का ही संकल्प नहीं लेता हूँ अपितु समाज और राष्ट्र की समस्त बहनों के आत्मसम्मान, शील और अस्मिता की रक्षा का भी संकल्प लेता हूँ।" यथार्थ में दृष्टि को परिमार्जित और व्यापक करते हुए हमारे मन-मष्तिष्क में, समाज में, परस्पर एक-दूसरे में, भाई-बहन का भाव ही दृढ़ता से समाहित हो, यही इस पावन पर्व का प्रमुख उद्देश्य भी है। आपको बताते चलें कि भाई-बहन के अट**सीएम** प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन तथा हमारी लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा कजलियां पर्व आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आए भाई के वादे में बहन की मुस्कान हो रिश्ता यूं ही बना रहे जन्मों-जन्मों तक, हर भाई की कलाई पर बहन के प्यार की पहचान हो। आप सभी को रक्षाबंधन एवं कजलियां पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सूबे के मुखिया ने रक्षा बंधन के अवसर पर महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा के ऐलान के बाद प्रदेश भर की बहनों में हर्ष की लहर.

(जीएनएस)।

बहनें एक सहयात्री के साथ कर रही हैं निशुल्क बस यात्रा.

आज 28 अगस्त 2026 को उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र आर आर सोनी, आरटीओ प्रशासन राकेंद्र कुमार सिंह व प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने झकरकटी बस अड्डे का लिया जायजा

मौके पर आरटीओ के कई अधिकारी मौजूद रहे.

आज रक्षा बंधन के दिन भी बारिश की परवाह किए बगैर परिवहन विभाग मुस्तैदी से निभा रहा है अपनी ज़िम्मेदारी.

उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र आर आर सोनी द्वारा बहनों की सुगम व सुरक्षित यात्रा के लिए निर्देशित किया गया.

संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह ने बहनों को निशुल्क बस यात्रा के लिए प्रेरित किया। और सभी को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दीं.

आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने चालकों व परिचालकों को महिला यात्रियों से सरल व सहज व्यवहार करने का दिया निर्देश.

बहनों ने उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र आर आर सोनी, आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव,यात्री कर अधिकारी दीपक सिंह सहित वहाँ मौजूद समस्त आरटीओ स्टाफ को राखी बाँधी.

उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र आर आर सोनी ने बहनों का मुंह मीठा कराया.

बस के अंदर भाव विभोर करने वाला दृश्य दिखाई दिया.

मौके पर उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र आर आर सोनी,आरटीओ प्रशासन राकेंद्र कुमार सिंह व आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव सहित एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार, एआरटीओ प्रवर्तन कहकशां,यात्री कर अधिकारी दीपक सिंह, दिनेश कुमार, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे.

शराब के लिए मां से मांगे रुपये, न देने पर बेटे ने धक्का देकर गिराया; सांस चलती देख मुंह दबाकर की हत्या

(जीएनएस)।

बीसलपुर। थाना बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम नसरुल्लापुर में मां की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके 24 वर्षीय बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शराब का आदी है और जमीन बेचने के बाद मिले रुपये खर्च कर चुका था। इसके बाद वह लगातार घरवालों से रुपये मांगता था। रुपये न मिलने पर उसने अपनी मां की हत्या कर दी और घटना को हादसा बताने का प्रयास किया।

पुलिस के मुताबिक, मामले में 27 अगस्त को रामप्रताप पुत्र छोटेलाल की तहरीर पर विकास पुत्र रामप्रताप के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 405/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बीसलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 28 अगस्त को दोपहर 12:05 बजे उल्लिका नहर के पास पटरी से विकास को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में सामने आई घटना की वजह

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब पीने का आदी है। कुछ समय पहले उसने अपनी जमीन बेचकर मिले रुपये खर्च कर दिए थे। इसके बाद वह घरवालों से रुपये मांगता था, लेकिन परिजनों ने रुपये देना बंद कर दिया था। घटना वाले दिन उसका अपनी मां से विवाद हुआ और उसने 500 रुपये लिए। इन रुपयों से उसने शराब पी।

पुलिस के मुताबिक, शराब के नशे में घर लौटने के बाद आरोपी ने अपनी मां को बहाने से छत पर बुलाया। उसने मां से कहा कि छत पर कोई खड़ा है। मां के छत पर पहुंचने पर आरोपी ने उसे धक्का दे दिया। नीचे आने पर उसने देखा कि मां की सांस चल रही थी। इसके बाद उसने मां का मुंह दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपी ने शोर मचाकर परिजनों को बताया कि उसकी मां छत से गिर गई है और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

थाना प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला, उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल अजय तोमर, कांस्टेबल विकास कुमार और कांस्टेबल परमजीत की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

बीसलपुर। शादी का झांसा देकर लड़की से दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को बीसलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया।

पुलिस के अनुसार, 26 नवंबर 2025 को वादिनी की तहरीर के आधार पर थाना बीसलपुर में मुकदमा अपराध संख्या 606/25 धारा 74/351(3) बीएनएस के तहत सीबू पुत्र साबू सलमानी, निवासी मोहल्ला हबीबुल्ला खां जनूबी, थाना बीसलपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपी वांछित चल रहा था।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में बीसलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 28 अगस्त 2026 को सुबह करीब 10:05 बजे मोहल्ला हबीबुल्ला खां जनूबी से आरोपी सीबू पुत्र साबू सलमानी (उम्र करीब 27 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु चौधरी, हेड कांस्टेबल शकील अहमद, हेड कांस्टेबल अशोक दीक्षित तथा कांस्टेबल सन्नी कुमार शामिल रहे।

अनमोल प्रजापति बनाये गए राष्ट्रीय प्रजापति महासभा (रजि०) के प्रदेश उपाध्यक्ष, सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

रिपोर्ट मंडल ब्यूरो

लखनऊ। बसपा सरकार में रहे पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय प्रजापति महासभा (रजि०) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दारा सिंह प्रजापति, अनुज प्रजापति

प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा राष्ट्रीय प्रजापति महासभा एवं प्रदेश सचिव युवा मोर्चा प्रिय

भाई अभिषेक कुमार प्रजापति ने राष्ट्रीय प्रजापति महासभा (रजि०) को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया आप को बताते चले कि लखनऊ के रहने सरोजिनी नगर क्षेत्र के अनमोल प्रजापति को अपने संगठन राष्ट्रीय प्रजापति महासभा में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत करे जाने पर आप तीनों का मैं हृदय की गहराइयों से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त करता हूँ कि आपने मुझ पर विश्वास व्यक्त करते हुए मुझे प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा का दायित्व प्रदान किया। हम आपको विश्वास दिलाते है कि आपके विश्वास एवं अपेक्षाओं पर सदैव खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करूँगा तथा संगठन के हित में पूरी निष्ठा, ईमानदारी, समर्पण और कर्मठता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करूँगा। संगठन की मजबूती, और विस्तार एवं जनहित के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मैं सदैव तन-मन से कार्य करता रहूँगा। एक बार पुनः आप तीनों का हृदय से हार्दिक धन्यवाद एवं सादर आभार। आपका स्नेह, मार्गदर्शन एवं विश्वास मेरे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

भाटिया होटल के पास पुल पर गड्ढों का जाल, बारिश में बढ़ी राहगीरों की मुश्किलें

(जीएनएस)।

कानपुर। पनकी क्षेत्र में भाटिया होटल के नजदीक बने पुल पर जगह-जगह गहरे गड्ढे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है।स्थानीय लोगों के मुताबिक पुल से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। सामान्य दिनों में भी गड्ढों के कारण वाहन चालकों को सावधानी से निकलना पड़ता है, जबकि बरसात में स्थिति और गंभीर हो जाती है। पानी से भरे गड्ढों में वाहन का पहिया जाने पर

चालक का संतुलन बिगड़ने की आशंका बनी रहती है,सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। रात के समय पर्याप्त रोशनी न होने पर सड़क पर मौजूद गड्ढे और भी खतरनाक हो जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदार विभाग की नींद टूटेगी। इसको लेकर लोगों ने संबंधित विभाग से पुल का निरीक्षण कराकर गड्ढों को तत्काल भरवाने और सड़क की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क की समस्या को नजरअंदाज करना राहगीरों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ साबित हो सकता है।

धर्म, समाज और हम:उत्कृष्ट प्रकृति प्रेमियों का समूह, रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

क्षेत्र में रक्षाबंधन का पावन पर्व समाज को एक नवीन दृष्टि प्रदान करता है। स्नेह, प्रेम और समर्पण का पावन पर्व है रक्षाबंधन दूसरे संदर्भ में समझें तो रक्षा सूत्र/बंधन का पर्व, प्रत्येक वर्ष इसलिए भी मनाया जाता है ताकि हमारी वासनामय दृष्टि उपासनामय बन सके। वासनामय दृष्टि का परिमार्जन भी इस पर्व का एक प्रमुख उद्देश्य है।

हम अपनी बहनों को तो रक्षा का वचन अवश्य दें, साथ में उन्हें यह वचन भी जरूर दें कि आज से कोई भी अकेली स्त्री, मेरी दृष्टि में एक अवसर नहीं, अपितु एक जिम्मेदारी होगी। आज के दिन हम सभी को यह बात अवश्य ध्यान में रखनी चाहिए कि "मैं केवल अपनी बहन की रक्षा का

ही संकल्प नहीं लेता हूँ अपितु समाज और राष्ट्र की समस्त बहनों के आत्मसम्मान, शील और अस्मिता की रक्षा का भी संकल्प लेता हूँ।" यथार्थ में दृष्टि को परिमार्जित और व्यापक करते हुए हमारे मन-मष्तिष्क में, समाज में, परस्पर एक-दूसरे में, भाई-बहन का भाव ही दृढ़ता से समाहित हो, यही इस पावन पर्व का प्रमुख उद्देश्य भी है। आपको बताते चलें कि भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन तथा हमारी लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा कजलियां पर्व आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आए भाई के वादे में बहन की मुस्कान हो रिश्ता यूं ही बना रहे जन्मों-जन्मों तक, हर भाई की कलाई पर बहन के प्यार की पहचान हो। आप सभी को रक्षाबंधन एवं कजलियां पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।